आवधिक पाठ्यक्रम

(2019-20)

कक्षा- 6 (निष्ठा समूह) **विषय -हिंदी**

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2019 से सितम्बर, 2019)

पाठ सं.	पाठ/विधा का नाम/लेखक	अधिगम-बिंदु	अधिगम उद्देश्य
पाठ .1	वह चिड़िया जो (कविता) केदारनाथ अग्रवाल	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ ,प्रश्नोत्तर, पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - प्राकृतिक परिवेश, जीव-जंतु के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
पाठ 2.	बचपन (संस्मरण) कृष्णा सोबती	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - कृष्णा सोबती एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - बचपन के कई सारे अनुभवों की अनुभूति नए संदर्भ में कर सकेंगे, - तत्कालीन परिस्थितियों के पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने और समझने का प्रयास करेंगे, - शिमला और वहाँ की विशेषताओं को जान सकेंगे, - अपनी अनुभूतियों को लिखने का प्रयास करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका

			भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ.3	नादान – दोस्त (कहानी) प्रेमचंद	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - महान कथाकार प्रेमचंद एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेगे, - पक्षियों के अंडे एवं उनका रख-रखाव के बारे में समझेंगे, - नादानी में की गई गलतियों को एवं उनके परिणामों के बारे में सोचने का प्रयास करेंगे, - माता-पिता एवं अभिभावक द्वारा दिए गए निर्देशों का महत्त्व समझेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
पाठ 5.	अक्षरों का महत्त्व (निबंध) गुणाकर मूले	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से भाषा के उद्गम एवं विकास को समझने का प्रयास करेंगें, - प्रारंभिक संकेत लिपि के बारे में जानेंगे, - अक्षरों का हमारे जीवन में कितना महत्त्व है, इसे जान सकेंगे, - कुछ प्राचीन भाषा एवं लिपियों के नाम से अवगत होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

पाठ.7	साथी हाथ बढ़ाना (गीत) साहिर लुधियानवी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन ,कठिन शब्दों के सरलार्थ, गीत /गेयता का परिचय, भावार्थ, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- गीत विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल, सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - गीत विधा को लय,सुर,यति,गति,आरोह, अवरोह एवं प्रवाह के साथ प्रस्तुति में समर्थ होंगे, - गीत के मूलभाव सामाजिक सौहार्द, सहकारिता, सहयोग एवं परोपकार की भावना से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
पाठ सं 8	ऐसे – ऐसे (एकांकी) विष्णु प्रभाकर	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'एकांकी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं पात्रानुकूल आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - विद्यार्थी विद्यालय जाने के लिए किस- किस प्रकार के बहाने बनाते हैं इसे जान सकेंगे, - एकांकी के विषय-वस्तु एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखते हैं, - पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि शब्दों से परिचित हो सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

व्याकरणिक बिंदु

वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास, शब्दों का वाक्य प्रयोग संज्ञा और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) सर्वनाम और उसके भेद की (पहचान एवं प्रयोग) लिंग,वचन (पहचान एवं प्रयोग) काल और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) पर्यायवाची शब्द विलोम शब्द (पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास)	- विविध शब्दों से नए वाक्य बना सकेंगें| - वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा एवं उनके भेदों की पहचान कर उनके प्रयोग से परिचित हो सकेंगें। - वाक्य में प्रयुक्त सर्वनाम एवं उनके भेदों की पहचान कर उनके प्रयोग से परिचित हो सकेंगें - लिंग की पहचान कर सकेंगें एवं लिंग परिवर्तन कर सकेंगें| - वचन की पहचान कर सकेंगें एवं वचन परिवर्तन कर सकेंगें| - काल और उसके भेदों की पहचान कर सकेंगें एवं वाक्य का काल परिवर्तन कर सकेंगें| - एक शब्द के विविध नामों से परिचित होकर उनका वाक्य में उचित प्रयोग कर सकेंगे| - पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे|

नोट- परीक्षा में पहचान और प्रयोग सम्बन्धी प्रश्नों को प्राथमिकता दी जाएगी|		
रचनात्मक लेखन		
1.	पत्र लेखन (औपचारिक एवं अनौपचारिक)**(केवल प्रारूप)** बीमार होने पर अवकाश लेने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र का प्रारूप एवं अन्य औपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास, छोटे भाई को समय का महत्त्व समझाते हुए पत्र का प्रारूप एवं अन्य अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास | **(उपरोक्त पत्रों के प्रारूप संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य पत्रों के प्रारूप का अभ्यास करवाया जाए)**	- औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों में अंतर जान सकेंगें| - औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को जान सकेंगे| - संबोधन, विषय विस्तार एवं समापन जैसे पत्रों के अंगों का पत्र लेखन में व्यवस्थित प्रयोग कर सकेंगें| - अपने दैनिक, निजी एवं सार्वजानिक जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से अपनी बात उचित ढंग से उचित जगह पर रख सकेंगें|
2.	**निबंध/अनुच्छेद** विद्यार्थियों के लेखन कौशल के संवर्धन हेतु उनके स्तर को देखते हुए विविध विषयक रोचक शीर्षकों पर लेखन, हरे-भरे खेत, बादल ,पक्षी, प्रिय-त्यौहार, मेरा प्रिय मित्र, मेरा प्रिय कार्टून, छठी कक्षा का प्रथम दिन, बुजुर्गों की सेवा आदि| **दिए गए चित्र का अपने शब्दों में वर्णन|** **(उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य शीर्षकों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए)**	- अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप में अभिव्यक्त कर सकेंगें| - अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लिख सकेंगें| - अपने सहज विश्लेषण के आधार पर सम-सामयिक विषयों से सम्बंधित सामान्य विषयों पर सहजतापूर्वक अभिव्यक्ति कर सकेंगें|
पुनरावृत्ति मध्यावधि परीक्षा		

द्वितीय सत्र (अक्टूबर, 2019 से मार्च, 2020)

पाठ सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	अधिगम- संप्राप्ति	अधिगम उद्देश्य
पाठ सं. 9	**टिकट – अलबम**	कहानी	सुंदरा रामस्वामी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ,भावार्थ,एवं प्रश्नोत्तर पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - विभिन्न प्रकार के वस्तुओं के संकलन के लिए प्रेरित होंगे, - पाठ में आये नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने का प्रयास करेंगे, - बालसुलभ स्वभाव और द्वेष से परिचित होते हुए इससे सीख लेंगें, - विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम हो सकेंगें, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं. 10	**झाँसी की रानी**	कविता	सुभद्रा कुमारी चौहान	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'कविता' विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई,तांत्या टोपे,नाना फड़नवीस, ठाकुर कुंवर सिंह, अज़ीमुल्ला, आदि से परिचित होते हुए अन्य स्वाधीनता सेनानियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - ऐतिहासिक बोध का विस्तार होगा, - झाँसी, बुंदेलखंड, कालपी, बिठूर एवं सतारा जैसे ऐतिहासिक महत्त्व के स्थानों के नाम से परोचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं.12	**संसार**	पत्र	जवाहरलाल नेहरु	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं	- 'पत्र' विधा से परिचित होंगे,

	पुस्तक है		(अनुवाद – प्रेमचंद)	अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - जवाहरलाल नेहरु के नाम एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पत्र-लेखन के महत्त्व को समझ सकेंगे, - पत्र-लेखन के लिए प्रेरित होंगे, - महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं.13.	**मैं सबसे छोटी होऊं**	कविता	सुमित्रानंदन पंत	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'कविता' विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - बचपन के विविध प्रसंगों का स्मरण कर सकेंगे, - माँ और बच्चे के स्नेहपूर्ण सम्बन्धों की स्वानुभूति कर सकेंगें, - बालसुलभ क्रियाकलाप और गतिविधियों से परिचित होंगें, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ स. 17	**साँस-साँस में बाँस**	निबंध	एलेक्स ए. जॉर्ज़ (अनुवादक शशि सबलोक)	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों के सरलार्थ, भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से हमारे जीवन में बाँस की बहु-उपयोगिता को जान सकेंगे, - विशेषकर उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाँस पर आर्थिक-निर्भरता के कारणों को समझ सकेंगे - बाँस से बनने वाली विविध वस्तुओं की

					जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें।

व्याकरणिक बिंदु	
वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास, शब्दों का वाक्य प्रयोग संज्ञा और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) सर्वनाम और उसके भेद की (पहचान एवं प्रयोग) लिंग,वचन (पहचान एवं प्रयोग) काल और उसके भेद (पहचान एवं प्रयोग) पर्यायवाची शब्द विलोम शब्द (पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास)	- विविध शब्दों से नए वाक्य बना सकेंगें| - वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा एवं उनके भेदों की पहचान कर उनके प्रयोग से परिचित हो सकेंगें | - वाक्य में प्रयुक्त सर्वनाम एवं उनके भेदों की पहचान कर उनके प्रयोग से परिचित हो सकेंगें | - लिंग की पहचान कर सकेंगें एवं लिंग परिवर्तन कर सकेंगें| - वचन की पहचान कर सकेंगें एवं वचन परिवर्तन कर सकेंगें| - काल और उसके भेदों की पहचान कर सकेंगें एवं वाक्य का काल परिवर्तन कर सकेंगें| - एक शब्द के विविध नामों से परिचित होकर उनका वाक्य में उचित प्रयोग कर सकेंगे| - पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे|

नोट- परीक्षा में पहचान और प्रयोग सम्बन्धी प्रश्नों को प्राथमिकता दी जाएगी|

रचनात्मक लेखन		
1.	पत्र लेखन (औपचारिक एवं अनौपचारिक)**(केवल प्रारूप)** सफ़ाई हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र का प्रारूप एवं अन्य औपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास, अपनी बहन के जन्मदिन पर शुभकामना पत्र का प्रारूप एवं अन्य अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप का अभ्यास | **(उपरोक्त पत्रों के प्रारूप संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य पत्रों के प्रारूप का अभ्यास करवाया जाए)**	- औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों में अंतर जान सकेंगें| - औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को जान सकेंगे| - संबोधन, विषय विस्तार एवं समापन जैसे पत्रों के अंगों का पत्र लेखन में व्यवस्थित प्रयोग कर सकेंगें| - अपने दैनिक, निजी एवं सार्वजानिक जीवन की आवश्यकताओं के हिसाब से अपनी बात उचित ढंग से उचित जगह पर रख सकेंगें|
2.	**निबंध/अनुच्छेद** विद्यार्थियों के लेखन कौशल के संवर्धन हेतु उनके स्तर को देखते हुए विविध विषयक रोचक शीर्षकों पर लेखन, जंगल , नदी ,पहाड़ , हमारा देश , मेरा प्रिय खेल ,मेरा प्रिय त्योहार , मेरे प्रिय अध्यापक/मेरी प्रिय अध्यापिका आदि | **दिए गए चित्र का अपने शब्दों में वर्णन|** **(उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं | इस प्रकार के अन्य शीर्षकों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए)**	- अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप में अभिव्यक्त कर सकेंगें| - अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लिख सकेंगें| - अपने सहज विश्लेषण के आधार पर सम-सामयिक विषयों से सम्बंधित सामान्य विषयों पर सहजतापूर्वक अभिव्यक्ति कर सकेंगें|

- **पठित गद्यांश/ पद्यांश का कक्षा में अभ्यास**
- **द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम की पुनरावृति**
- ध्यातव्य है कि **वसंत भाग–1 के शेष पाठ एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा", कक्षा-6**, अधिगम संवृद्धि (Leraning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हैं, **मूल्यांकन में इनसे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगें |**